aglasem.com

कक्षा ११ इतिहास नोट्स

आधुनिकीकरण के रस्ते



Key Notes and Important Questions with Answers

विषय - 11
आधुनिकीकरण के रास्ते

स्मरणीय तथ्य

1. चीन एक विशालकाय द्वीप है, जिसमें कई तरह की जलवायु वाले क्षेत्र सम्मिलित हैं।
2. चीन का सबसे प्रमुख जातीय समूह हान है और प्रमुख भाषा चीनी है।
3. चीन के विपरित जापान एक द्वीप श्रृंखला है, जिसमें चार बड़े द्वीप समूह हैं होंशू, क्यूशू, शिकोकू और होकाइदो।
4. 12वीं सदी के प्रारम्भ में जापान पर शोगुनों का शासन कायम हुआ जो सैद्धान्तिक रूप से राजा थे।
5. 1603 से 1867 के मध्य तक तोकुगावां वंश के लोग शोगुन पद पर कायम थे।
6. मेज़ी पुनर्स्थापना का अर्थ है, प्रबुद्ध सरकार का गठन। सन् 1867–68 के दौरान मेज़ी वंश का उदय हुआ और देश में विद्यमान विभिन्न प्रकार का असन्तोष मेज़ियों की पुनर्स्थापना का कारण बना।
7. सम्राट मेज़ी को ऐदो लाया गया तथा एदो को राजधानी बनाकर इसका नाम टोक्या रखा गया।
8. जापान में 1870 के दशक से नयी विद्यालयी व्यवस्था का निर्माण हुआ। लड़के और लड़कियों के लिए स्कूल जाना अनिवार्य हो गया तथा किताबों के माध्यम से माता–पिता के प्रति आदर, राष्ट्र के प्रति वफादारी तथा अच्छे नागरिक बनने का पाठ पढ़ाया जाने लगा।
9. 'डायट' जापानी संसद का नाम है और यह जर्मन विचारधारा पर आधारित थी।
10. 'फुकुज़ावा यूकिची' मेज़ी काल के प्रमुख बुद्धिजीवियों में से एक थे। उनका कहना था कि जापान को 'अपने में से एशिया को निकाल फेंकना चाहिए।
11. जापान में अर्थव्यवस्था का आधुनिकीकरण – कृषि पर कर लगा कर धन इकट्ठा, रेल लाइनों का विकास, वस्त्र उद्योग के लिए मशीनों का आयात, मजदूरों को प्रशिक्षण तथा बैंकिंग संस्थाओं का प्रारम्भ होना आदि से हुआ है।
12. 'फुकोकु–क्योहे' – जिसका अर्थ है समृद्ध देश और मजबूत सेना।
13. अमेरिका द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, युद्ध जल्दी खत्म करने के लिए जापानी शहर हिरोशिमा और नागासाकी पर नाभिकीय बम गिराये गये।

14. अमेरिकी नियन्त्रण के दौरान, जापान का विसैन्यीकरण कर दिया गया और एक नया संविधान लागू किया गया। फिर भी अपनी भयंकर हार के बावजूद, जापान ने अपनी अर्थव्यवस्था का शीघ्रता से पुनर्निर्माण किया, जिसे एक 'युद्धोतर चमत्कार' कहा गया है।
15. चीन का आधुनिक इतिहास–संप्रभुता की पुर्नप्राप्ति, विदेशी कब्जे का अंत और समानता और विकास को सम्भव बनाने पर आधारित था।
16. पहला अफीम युद्ध (1839–1842) हुआ। इसने सत्ताधारी क्विंग राजवंश को कमजोर किया और सुधार तथा बदलाव की मांगों को मजबूती दी।
17. 1911 में माँचू साम्राज्य की समाप्ति के साथ सन यात सेन के नेतृत्व में चीन में गणतन्त्र की स्थापना हुई।
18. सन यात–सेन के तीन सिद्धान्त – राष्ट्रवाद, गणतन्त्र, समाजवाद।
19. चीन की साम्यवादी प्राटी की स्थापना 1921 ई. में रूसी क्रान्ति के कुछ समय बाद हुई थी। उसमें माओत्से तुंग प्रमुख नेता बनकर उभरे।
20. पीपुल्स रिपब्लिक आफ चाइना की सरकार 1949 में स्थापित हुई।
21. चीन में 1965–78 का काल 'समाजवादी व्यक्ति' की रचना का था। माओवादियों ने पुरानी संस्कृति, पुराने रिवाज़ और पुरानी आदतों के खिलाफ अभियान छेड़ा।

अति लघु प्रश्न (2 अंक वाले)

1. शोगुन का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।
2. त्रिकोणिय व्यापार से क्या तात्पर्य है?
3. जापान में मेज़ी पुनर्स्थापना के लिए उत्तरदायी – किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए।
4. मेज़ी पुनर्स्थापना का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
5. 16वीं सदी के अंतिम भाग में जापान द्वारा कौन–से तीन परिवर्तन अपनाए गये, जिन्होंने आगे के विकास की तैयारी की?
6. जापान में स्थापित पहली संसद कौन–सी थी तथा यह किस देश की सोच से प्रभावित थी?
7. सन–यात–सेन कौन था? उसके तीन सिद्धान्त क्या थे?

8. द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरीका द्वारा जापान के किन दो शहरों पर नाभिकीय बम गिराये गये और क्यों?
9. प्रथम अफीम युद्ध कब और किनके मध्य लड़ा गया?
10. चीन के आधुनिक विकास की रूपरेखा किन तीन सवालों के चारों ओर घुमती है।
11. क्योटो के निशिजन में रेशम उद्योग के विकास को क्यों महत्व दिया गया?

लघु उत्तर प्रश्न (4 अंक वाले)

12. मेज़ी पुनर्स्थापना के मुख्य कारण क्या थे? वर्णन कीजिए।
13. मेज़ी सुधारों का महत्वपूर्ण हिस्सा, अर्थव्यवस्था का आधुनिकीकरण था। व्याख्या कीजिए।
14. जापान के एक आधुनिक समाज में रूपान्तरण से रोज़ाना की जिन्दगी में किस प्रकार के बदलाव आए?
15. अफीम युद्ध से आप क्या समझते हैं? इसका चीन वासियों पर क्या प्रभाव पड़ा?
16. सन यात–सेन के प्रमुख सिद्धान्तों का विस्तार से वर्णन कीजिए।
17. चीन में प्रचलित कंफ्यूशियसवाद की विचारधारा को उल्लेख कीजिए।
18. चीनी खरबूजा काटे जाने से आप क्या समझते है? विस्तार से व्याख्या कीजिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (8 अंक वाले)

19. मेज़ी शासन के अन्तर्गत जापान में अर्थव्यवस्था का आधुनिकीकरण किस प्रकार हुआ? पर्यावरण पर उद्योगों के विकास का क्या प्रभाव पड़ा?
20. कुओमीन तांग के नेता के रूप में 'चियांग काई–शेक' के कार्यों का वर्णन करते हुए यह स्पष्ट कीजिए कि कुआमीनतांग देश को एकीकृत करने की कोशिशों में क्यों असफल रहा?
21. 1870 के दशक में जापान में विद्यालयी व्यवस्था और राष्ट्र के एकीकरण के लिए क्या बदलाव किए गए? विस्तार से वर्णन कीजिए।
22. जापान और चीन ने आजाद और आधुनिक राष्ट्र बनने के लिए बिल्कुल अलग–अलग राहें अपनाई, विस्तार से व्याख्या कीजिए।
23. ताईवान का एक लोकतन्त्र में रूपान्तरण एक नाटकीय मोड़ रहा, व्याख्या कीजिए।

दीर्घ प्रश्नोत्तर :

19. मेज़ी शासन के अन्तर्गत जापान में अर्थव्यवस्था का आधुनीकीकरण :

- कृषि पर कर।
- जापान में रेल लाइन बिछाना।
- वस्त्र उद्योग के लिए मशीनों का आयात।
- मजदूरों का विदेशी कारीगरों द्वारा प्रशिक्षण।
- विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए विदेश भेजना।
- आधुनिक बैंकिंग व्यवस्था का प्रारम्भ।
- कम्पनीयों को कर में छूट व सब्सिडी देना।

पर्यावरण पर उद्योगों के विकास का प्रभाव :–

- लकड़ी जैसे प्राकृतिक संसाधनों की मांग से पर्यावरण पर विनाशकारी प्रभाव।
- औद्योगीकरण के कारण वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण का बढ़ना।
- कृषि उत्पादों में कमी का प्रमुख कारण लोगों का शहरों की तरफ पलायन।

20. चियांग काईशेक के कार्य :

- वारलार्ड्स पर नियन्त्रण करना।
- साम्यवादियों का खात्मा।
- सेक्यूलर और 'इहलौकिक' कन्फ्यूशियसवाद की हिमायत की।
- राष्ट्र का सैन्यकरण का प्रयास।
- महिलाओं के चार सद्गुण पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया। सतीत्व, रूप–रंग, वाणी और काम।

देश को एकीकृत करने में असफलता के कारण :–

- संकीर्ण सामाजिक आधार।
- सीमित राजनीतिक दृष्टि।
- पूँजी नियमन और भूमि अधिकारों में समानता लाने में असमर्थता।
- लोगों की समस्या पर ध्यान न देकर, फौजी व्यवस्था थोपने का प्रयास किया।

21. विद्यालयी व्यवस्था में बदलाव :

- लड़के और लड़कियों के लिए स्कूल जाना अनिवार्य।
- पढ़ाई की फीस बहुत कम करना।
- आधुनिक विचारों पर जोर देना।
- राज्य के प्रति निष्ठा और जापानी इतिहास के अध्ययन पर बल दिया गया।
- किताबों के चयन और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर नियन्त्रण।
- माता–पिता के प्रति आदर, राष्ट्र के प्रति वफादारी और अच्छे नागरिक बनने की प्रेरणा दी गई।

राष्ट्रीय एकीकरण के प्रयास :

- पुराने गांवों और क्षेत्रीय सीमाओं को बदलकर नया प्रशासनिक ढ़ाँचा तैयार किया गया।
- प्रशासनिक इकाईयों के लिए पर्याप्त राजस्व की व्यवस्था ताकि स्कूल और स्वास्थ्य सेवायें जारी रहें।
- बीस साल से अधिक आयु के युवकों के लिए कुछ अरसे सेना में कार्य करना अनिवार्य किया गया।
- आधुनिक सैन्य बल तैयार किया गया।
- सख्त सेंसर व्यवस्था लागू की गई।
- नौकरशाही और सेना सीधे सम्राट के अधीन रखी गई।

22. जापान अपनी आजादी बनाये रखने में सफल रहा और पारंपरिक हुनर और प्रथाओं को नये तरीके से इस्तेमाल कर पाया। कुलीन वर्ग के नेतृत्व में आधुनीकीकरण ने उग्र राष्ट्रवाद को जन्म दिया और शोषणकारी सत्ता को बरकरार रखा।

औपनिवेशिक साम्राज्य की स्थापना की जिससे उस क्षेत्र में बैर की भावना बढ़ी।

पश्चिमी साम्राज्यवादी ताकतों की नकल करते हुए, अपने हल स्वयं ढूंढ़ने की कोशिश की। नये और रचनात्मक तरीके इस्तेमाल किये जैसे नयी विद्यालयी व्यवस्था, सम्राट के प्रति वफादारी, नैतिक शास्त्र का पढ़ना अनिवार्य, निष्ठावान नागरिक का निर्माण आदि।

चीन में पश्चिमी और जापानी साम्राज्यवाद ने राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था को तोड़ने का माहौल बना दिया। 19वीं और 20वीं सदी में परम्पराओं को ठुकराया गया और राष्ट्रीय एकता और सुदृढ़ता के लिए नये रास्तों की तलाश की गई। लोगों को अधिकार और सत्ता देने की बात की परन्तु वास्तव में केंद्रीकृत राज्य की स्थापना की। दमन कारी राजनीतिक व्यवस्था लागू की गई तथापि शिक्षा का विस्तार हुआ और लोगों के बीच जागरूकता पैदा हुई। बाजार संबंधी सुधारों के द्वारा आर्थिक दृष्टि से ताकतवर बनने में सफलता प्राप्त की।

23. चीनी साम्यवादी दल से पराजित होकर चियांग काई शेक 1949 में ताइवान भाग निकले और वहां उन्होंने चीनी गणतन्त्र की स्थापना की।

कुआमीनतांग ने चियांग काईशेक के नेतृत्व में एक दमनकारी सरकार की स्थापना की लेकिन भूमि सुधार लागू नहीं किये गये। अर्थव्यवस्था का आधुनीकीकरण किया गया।

1975 में चियांग की मृत्यु के बाद धीरे–धीरे लोकतन्त्र में रूपान्तरण प्रारम्भ हुआ। 1887 में फौजी कानून हटा लिया गया। विरोधी दलों को गठन की इजाजत मिली और स्वतन्त्र मतदान द्वारा ताइवानियों को सत्ता में लाने का प्रयास प्रारम्भ किया गया। ताईवान में पूर्ण राजनैयिक संबंध और दूतावास रखना सम्भव नहीं है क्योंकि इसे चीन का ही एक हिस्सा समझा जाता है।